भारत निर्वाचन आयोग का राजनीतिक दलों के साथ सबसे बड़ा संपर्क अभियान

मुख्य निर्वाचन अधिकारियों, जिला निर्वाचन अधिकारियों के स्तर पर 4,719 बैठकें आयोजित

भरतपुर 2 अप्रेल। भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने देश भर में निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (ईआरओ), जिला निर्वाचन अधिकारी (डीईओ) और मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) के स्तर पर राजनीतिक दलों के साथ व्यापक एवं योजनाबद्ध तरीके से संपर्क स्थापित किया है।

बीते 25 दिनों की अवधि में 31 मार्च तक विभिन्न स्तर पर राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ कुल 4,719 बैठकें आयोजित की गई हैं। इनमें मुख्य निर्वाचन अधिकारियों द्वारा 40 बैठकें, जिला निर्वाचन अधिकारियों द्वारा 800 बैठकें और निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों द्वारा 3,879 बैठकें शामिल हैं, जिनमें देश भर में राजनीतिक दलों के 28,000 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया। मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) श्री ज्ञानेश कुमार, निर्वाचन आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी द्वारा 4-5 मार्च को नई दिल्ली में आयोजित मुख्य निर्वाचन अधिकारियों के सम्मेलन के दौरान जारी किए गए निर्देशों के अनुसार ये बैठकें आयोजित की गई। आयोग की ओर से इस विशेष संपर्क अभियान का उद्देश्य संबंधित सक्षम प्राधिकारी, यानी निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, जिला निर्वाचन अधिकारी या मुख्य निर्वाचन अधिकारी द्वारा चुनावी प्रक्रिया से जुड़े किसी लंबित मुद्दे को जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 और 1951, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण नियम, 1960, चुनाव संचालन नियम, 1961 और समय-समय पर भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी मैनुअल, दिशानिर्देशों और निर्देशों के अनुरूप मौजूदा कानूनी ढांचे के भीतर हल करना है। इस क्रम में अग्रिम आकलन के लिए सभी राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों से कार्रवाई रिपोर्ट मांगी गई है. यदि मौजूदा कानूनी ढांचे के भीतर कोई मुद्दा अनसुलझा रहता है, तो आयोग के स्तर पर उसका निस्तारण किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि विभिन्न राजनीतिक दलों से भी इस सम्पर्क अभियान को भरपूर सराहना मिली है। इस दौरान विधानसभा क्षेत्रों, जिलों और राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में राजनीतिक प्रतिनिधियों की सक्रिय और उत्साही भागीदारी रही है. देश भर में हुई बैठकों की तस्वीरें भारत निर्वाचन आयोग के आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल पर देखी जा सकती हैं।

भारत निर्वाचन आयोग का राजनीतिक दलों के साथ सबसे बड़ा संपर्क अभियान

मुख्य निर्वाचन अधिकारियों, जिला निर्वाचन अधिकारियों और निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों के स्तर पर 4 हजार 719 बैठकें आयोजित

देश भर में 28 हजार से अधिक पार्टी प्रतिनिधियों ने भागीदारी की

(स्टेटमेन्ट संवाददाता)

जयपुर। भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने देश भर में निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (ईआरओ), जिला निर्वाचन अधिकारी (डीईओ) और मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) के स्तर पर राजनीतिक दलों के साथ व्यापक एवं योजनाबद्ध तरीके से संपर्क स्थापित किया है।

बीते 25 दिनों की अवधि में 31 मार्च तक विभिन्न स्तर पर राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ कुल 4 हजार 719 बैठकें आयोजित की गई हैं. इनमें मुख्य निर्वाचन अधिकारियों द्वारा 40 बैठकें, जिला निर्वाचन अधिकारियों द्वारा 800 बैठकें और निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों द्वारा 3,879 बैठकें शामिल हैं, जिनमें देश भर में राजनीतिक दलों के 28 हजार से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया। मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार, निर्वाचन आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी द्वारा 4-5 मार्च को नई दिल्ली में आयोजित मुख्य निर्वाचन अधिकारियों के सम्मेलन के दौरान जारी किए गए निर्देशों के अनुसार ये बैठकें आयोजित की गई। आयोग की ओर से इस विशेष संपर्क अभियान का उद्देश्य संबंधित सक्षम प्राधिकारी, यानी निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, जिला निर्वाचन अधिकारी या मुख्य निर्वाचन अधिकारी द्वारा चुनावी प्रक्रिया से जुड़े किसी लंबित मुद्दे को जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 और 1951, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण नियम, 1960, चुनाव संचालन नियम, 1961 और समय-समय पर भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी मैनुअल, दिशानिर्देशों और निर्देशों के अनुरूप मौजूदा कानूनी ढांचे के भीतर हल करना है। इस क्रम में अग्रिम आंकलन के लिए सभी राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों से कार्रवाई रिपोर्ट मांगी गई है। यदि मौजूदा कानूनी ढांचे के भीतर कोई मुद्दा अनसुलझा रहता है, तो आयोग के स्तर पर उसका निस्तारण किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि विभिन्न राजनीतिक दलों से भी इस सम्पर्क अभियान को भरपूर सराहना मिली है। इस दौरान विधानसभा क्षेत्रों, जिलों और राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में राजनीतिक प्रतिनिधियों की सक्रिय और उत्साही भागीदारी रही है। देश भर में हुई बैठकों की तस्वीरें भारत निर्वाचन आयोग के आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल पर देखी जा सकती है।

मुख्य निर्वाचन अधिकारियों, जिला निर्वाचन अधिकारियों और निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों के स्तर पर 4,719 बैठकें आयोजित

भारत निर्वाचन आयोग का राजनीतिक दलों के साथ सबसे बड़ा संपर्क अभियान

देश भर में 28,000 से अधिक पार्टी प्रतिनिधियों ने भागीदारी की

नई दिल्ली। भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने देश भर में निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (ईआरओ), जिला निर्वाचन अधिकारी (डीईओ) और मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) के स्तर पर राजनीतिक दलों के साथ व्यापक एवं योजनाबद्ध तरीके से संपर्क स्थापित किया है. बीते 25 दिनों की अवधि में 31 मार्च तक विभिन्न स्तर पर राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ कुल 4,719 बैठकें आयोजित की गई हैं. इनमें मुख्य निर्वाचन अधिकारियों द्वारा 40 बैठकें, जिला निर्वाचन अधिकारियों द्वारा 800 बैठकें और निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों द्वारा 3,879 बैठकें शामिल हैं, जिनमें देश भर में राजनीतिक दलों के 28,000 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया।।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार, निर्वाचन आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी द्वारा 4-5 मार्च को नई दिल्ली में आयोजित मुख्य निर्वाचन अधिकारियों के सम्मेलन के दौरान जारी किए गए निर्देशों के अनुसार ये बैठकें आयोजित की गई।

आयोग की ओर से इस विशेष संपर्क अभियान का उद्देश्य संबंधित सक्षम प्राधिकारी, यानी निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, जिला निर्वाचन अधिकारी या मुख्य निर्वाचन अधिकारी द्वारा चुनावी प्रक्रिया से जुड़े किसी लंबित मुद्दे को जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 और 1951, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण नियम, 1960, चुनाव संचालन नियम, 1961 और समय-समय पर भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी मैनुअल, दिशानिर्देशों और निर्देशों के अनुरूप मौजूदा कानूनी ढांचे के भीतर हल करना है।

इस क्रम में अग्रिम आकलन के लिए सभी राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों से कार्रवाई रिपोर्ट मांगी गई है. यदि मौजूदा कानूनी ढांचे के भीतर कोई मुद्दा अनसुलझा रहता है, तो आयोग के स्तर पर उसका निस्तारण किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि विभिन्न राजनीतिक दलों से भी इस सम्पर्क अभियान को भरपूर सराहना मिली है. इस दौरान विधानसभा क्षेत्रों, जिलों और राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में राजनीतिक प्रतिनिधियों की सक्रिय और उत्साही भागीदारी रही है. देश भर में हुई बैठकों की तस्वीरें भारत निर्वाचन आयोग के आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल पर देखी जा सकती हैं।

नगर निकायों के वार्डों के पुर्नगठन एवं पुर्नसीमांकन हेतु आपत्ति आमंत्रित, 17 अप्रैल तक दर्ज करवाई जा सकती है आपत्ति

सवाई माधोपुर,1 अप्रेल (का.स.) स्वायत्त शासन विभाग राजस्थान जयपुर के निर्देशों एवं निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार जिले के नगरीय निकायों के वार्डो के परिसीमाकंन के प्रस्ताव जन साधारण से आपत्तियां आमंत्रित करने के लिए प्रकाशित कर दिए गए है। जिला निर्वाचन अधिकारी शुभम चौधरी द्वारा जारी की गई सूचना के अनुसार नगर परिषद सवाई माधोपुर में 60, नगर परिषद गंगापुरसिटी में 60, नगर पालिका वजीरपुर में 25, नगर पालिका खण्डार में 25 नगर पालिका बौंली में 25 वार्ड तथा नगरपालिका बामनवास में 20 वार्ड निर्धारित किए गए है। वार्डो की संख्या के अनुसार वार्डो के सीमाकंन के प्रारूप प्रस्ताव प्रकाशित किये गये है। जिनकी प्रतियां जन साधारण के अवलोकनार्थ सम्बन्धित नगरीय निकाय कार्यालय, उपखण्ड अधिकारी कार्यालय एवं तहसील कार्यालय के नोटिस बोर्ड पर चस्पा की गई है। जारी सूचना के अनुसार प्रकाशित प्रस्तावों के सम्बन्ध में लिखित आपत्तियां 17 अप्रैल, 2025 तक जिला कलक्टर, सम्बन्धित उपखण्ड अधिकारी अथवा नगरीय निकाय के आयुक्त/अधिशाषी अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत कर सकते हैं।

भारत निर्वाचन आयोग का राजनीतिक दलों के साथ सबसे बड़ा संपर्क अभियान

–देश भर में 28 हजार से अधिक पार्टी प्रतिनिधियों ने भागीदारी की

मुख्य निर्वाचन अधिकारियों, जिला निर्वाचन अधिकारियों और निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों के स्तर पर 4 हजार 719 बैठकें आयोजित

सवाई माधोपुर (हुक्मनामा समाचार)। भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने देश भर में निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (ईआरओ), जिला निर्वाचन अधिकारी (डीईओ) और मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) के स्तर पर राजनीतिक दलों के साथ व्यापक एवं योजनाबद्ध तरीके से संपर्क स्थापित किया है। बीते 25 दिनों की अवधि में 31 मार्च तक विभिन्न स्तर पर राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ कुल 4 हजार 719 बैठकें आयोजित की गई हैं। इनमें मुख्य निर्वाचन अधिकारियों द्वारा 40 बैठकें, जिला निर्वाचन अधिकारियों द्वारा 800 बैठकें और निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों द्वारा 3,879 बैठकें शामिल हैं, जिनमें देश भर में राजनीतिक दलों के 28 हजार से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग

लिया। इस क्रम में राजस्थान में कुल विभिन्न स्तर पर कुल 234 बैठकें आयोजित हुई हैं, जिनमें 1,115 राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने भागीदारी की है।मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार, निर्वाचन आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी द्वारा 4-5 मार्च को नई दिल्ली में आयोजित मुख्य निर्वाचन अधिकारियों के सम्मेलन के दौरान जारी किए गए निर्देशों के अनुसार ये बैठकें आयोजित की गई। आयोग की ओर से इस विशेष संपर्क अभियान का उद्देश्य संबंधित सक्षम प्राधिकारी, यानी निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, जिला निर्वाचन अधिकारी या मुख्य निर्वाचन अधिकारी द्वारा चुनावी प्रक्रिया से जुड़े किसी लंबित मुद्दे को जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 और 1951, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण नियम, 1960, चुनाव संचालन नियम, 1961 और समय-समय पर भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी मैनुअल, दिशानिर्देशों और निर्देशों के अनुरूप मौजूदा कानूनी ढांचे के भीतर हल करना है। इस क्रम में अग्रिम आंकलन के लिए सभी राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों से कार्रवाई रिपोर्ट मांगी गई है। यदि मौजूदा कानूनी ढांचे के भीतर कोई मुद्दा अनसुलझा रहता है, तो आयोग के स्तर पर उसका निस्तारण किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि विभिन्न राजनीतिक दलों से भी इस सम्पर्क अभियान को भरपूर सराहना मिली है। इस दौरान विधानसभा क्षेत्रों, जिलों और राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में राजनीतिक प्रतिनिधियों की सक्रिय और उत्साही भागीदारी रही है। देश भर में हुई बैठकों की तस्वीरें भारत निर्वाचन आयोग के आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल पर देखी जा सकती है।

भारत निर्वाचन आयोग का राजनीतिक दलों के साथ सबसे बड़ा संपर्क अभियान

मुख्य निर्वाचन अधिकारियों, जिला निर्वाचन अधिकारियों और निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों के स्तर पर 4 हजार 719 बैठकें आयोजित

देश भर में 28 हजार से अधिक पार्टी प्रतिनिधियों ने भागीदारी की

जयपुर,1 अप्रेल (एंजेंसी) भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने देश भर में निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (ईआरओ), जिला निर्वाचन अधिकारी (डीईओ) और मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) के स्तर पर राजनीतिक दलों के साथ व्यापक एवं योजनाबद्ध तरीके से संपर्क स्थापित किया है। बीते 25 दिनों की अवधि में 31 मार्च तक विभिन्न स्तर पर राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ कुल 4 हजार 719 बैठकें आयोजित की गई हैं. इनमें मुख्य निर्वाचन अधिकारियों द्वारा 40 बैठकें, जिला निर्वाचन अधिकारियों द्वारा 800 बैठकें और निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों द्वारा 3,879 बैठकें शामिल हैं, जिनमें देश भर में राजनीतिक दलों के 28 हजार से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) श्री ज्ञानेश कुमार, निर्वाचन आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी द्वारा 4-5 मार्च को नई दिल्ली में आयोजित मुख्य निर्वाचन अधिकारियों के सम्मेलन के दौरान जारी किए गए निर्देशों के अनुसार ये बैठकें आयोजित की गई। आयोग की ओर से इस विशेष संपर्क अभियान का उद्देश्य संबंधित सक्षम प्राधिकारी, यानी निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, जिला निर्वाचन अधिकारी या मुख्य निर्वाचन अधिकारी द्वारा चुनावी प्रक्रिया से जुड़े किसी लंबित मुद्दे को जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 और 1951, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण नियम, 1960, चुनाव संचालन नियम, 1961 और समय-समय पर भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी मैनुअल, दिशानिर्देशों और निर्देशों के अनुरूप मौजूदा कानूनी ढांचे के भीतर हल करना है। इस क्रम में अग्रिम आंकलन के लिए सभी राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों से कार्रवाई रिपोर्ट मांगी गई है। यदि मौजूदा कानूनी ढांचे के भीतर कोई मुद्दा अनसुलझा रहता है, तो आयोग के स्तर पर उसका निस्तारण किया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि विभिन्न राजनीतिक दलों से भी इस सम्पर्क अभियान को भरपूर सराहना मिली है। इस दौरान विधानसभा क्षेत्रों, जिलों और राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में राजनीतिक प्रतिनिधियों की सक्रिय और उत्साही भागीदारी रही है। देश भर में हुई बैठकों की तस्वीरें भारत निर्वाचन आयोग के आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल पर देखी जा सकती है।

मुख्य निर्वाचन अधिकारियों, जिला निर्वाचन अधिकारियों और निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों के स्तर पर 4,719 बैठकें आयोजित

भारत निर्वाचन आयोग का राजनीतिक दलों के साथ सबसे बड़ा संपर्क अभियान

देश भर में 28,000 से अधिक पार्टी प्रतिनिधियों ने भागीदारी की

नई दिल्ली। भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने देश भर में निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (ईआरओ), जिला निर्वाचन अधिकारी (डीईओ) और मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) के स्तर पर राजनीतिक दलों के साथ व्यापक एवं योजनाबद्ध तरीके से संपर्क स्थापित किया है. बीते 25 दिनों की अवधि में 31 मार्च तक विभिन्न स्तर पर राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ कुल 4,719 बैठकें आयोजित की गई हैं. इनमें मुख्य निर्वाचन अधिकारियों द्वारा 40 बैठकें, जिला निर्वाचन अधिकारियों द्वारा 800 बैठकें और निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों द्वारा 3,879 बैठकें शामिल हैं, जिनमें देश भर में राजनीतिक दलों के 28,000 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया।।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार, निर्वाचन आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी द्वारा 4-5 मार्च को नई दिल्ली में आयोजित मुख्य निर्वाचन अधिकारियों के सम्मेलन के दौरान जारी किए गए निर्देशों के अनुसार ये बैठकें आयोजित की गई।

आयोग की ओर से इस विशेष संपर्क अभियान का उद्देश्य संबंधित सक्षम प्राधिकारी, यानी निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, जिला निर्वाचन अधिकारी या मुख्य निर्वाचन अधिकारी द्वारा चुनावी प्रक्रिया से जुड़े किसी लंबित मुद्दे को जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 और 1951, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण नियम, 1960, चुनाव संचालन नियम, 1961 और समय-समय पर भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी मैनुअल, दिशानिर्देशों और निर्देशों के अनुरूप मौजूदा कानूनी ढांचे के भीतर हल करना है।

इस क्रम में अग्रिम आकलन के लिए सभी राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों से कार्रवाई रिपोर्ट मांगी गई है. यदि मौजूदा कानूनी ढांचे के भीतर कोई मुद्दा अनसुलझा रहता है, तो आयोग के स्तर पर उसका निस्तारण किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि विभिन्न राजनीतिक दलों से भी इस सम्पर्क अभियान को भरपूर सराहना मिली है. इस दौरान विधानसभा क्षेत्रों, जिलों और राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में राजनीतिक प्रतिनिधियों की सक्रिय और उत्साही भागीदारी रही है. देश भर में हुई बैठकों की तस्वीरें भारत निर्वाचन आयोग के आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल पर देखी जा सकती हैं।

भारत निर्वाचन आयोग का राजनीतिक दलों के साथ सबसे बड़ा संपर्क अभियान

मुख्य निर्वाचन अधिकारियों, जिला निर्वाचन अधिकारियों और निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों के स्तर पर 4,719 बैठकें आयोजित, देश भर में 28,000 से अधिक पार्टी प्रतिनिधियों ने भागीदारी की

जयपुर। भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने देश भर में निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (ईआरओ), जिला निर्वाचन अधिकारी (डीईओ) और मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) के स्तर पर राजनीतिक दलों के साथ व्यापक एवं योजनाबद्ध तरीके से संपर्क स्थापित किया है. बीते 25 दिनों की अवधि में 31 मार्च तक विभिन्न स्तर पर राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ कुल 4,719 बैठकें आयोजित की गईं हैं. इनमें मुख्य निर्वाचन अधिकारियों द्वारा 40 बैठकें, जिला निर्वाचन अधिकारियों द्वारा 800 बैठकें और निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों द्वारा 3,879 बैठकें शामिल हैं, जिनमें देश भर में राजनीतिक दलों के 28,000 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया. मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार, निर्वाचन आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी द्वारा 4-5 मार्च को नई दिल्ली में आयोजित मुख्य निर्वाचन अधिकारियों के सम्मेलन के दौरान जारी किए गए निर्देशों के अनुसार ये बैठकें आयोजित की गईं.

आयोग की ओर से इस विशेष संपर्क अभियान का उद्देश्य संबंधित सक्षम प्राधिकारी, यानी निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, जिला निर्वाचन अधिकारी या मुख्य निर्वाचन अधिकारी द्वारा चुनावी प्रक्रिया से जुड़े किसी लंबित मुद्दे को जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 और 1951, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण नियम, 1960, चुनाव संचालन नियम, 1961 और समय-समय पर भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी मैनुअल, दिशानिर्देशों और निर्देशों के अनुरूप मौजूदा कानूनी ढांचे के भीतर हल करना है. इस क्रम में अग्रिम आकलन के लिए सभी राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों से कार्रवाई रिपोर्ट मांगी गई है. यदि मौजूदा कानूनी ढांचे के भीतर कोई मुद्दा अनसुलझा रहता है, तो आयोग के स्तर पर उसका निस्तारण किया जाएगा.उल्लेखनीय है कि विभिन्न राजनीतिक दलों से भी इस सम्पर्क अभियान को भरपूर सराहना मिली है. इस दौरान विधानसभा क्षेत्रों, जिलों और राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में राजनीतिक प्रतिनिधियों की सक्रिय और उत्साही भागीदारी रही है. देश भर में हुई बैठकों की तस्वीरें भारत निर्वाचन आयोग के आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल पर देखी जा सकती हैं।

भारत निर्वाचन आयोग का सबसे बड़ा राजनीतिक संपर्क अभियान, 4,719 बैठकें आयोजित

जयपुर टाइम्स

जयपुर, (का.सं.)। भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने देशभर में राजनीतिक दलों के साथ व्यापक संपर्क अभियान चलाते हुए बीते 25 दिनों में 4,719 बैठकें आयोजित की हैं। इन बैठकों में मुख्य निर्वाचन अधिकारियों (सीईओ), जिला निर्वाचन अधिकारियों (डीईओ) और निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों (ईआरओ) के स्तर पर राजनीतिक प्रतिनिधियों से संवाद किया गया।

इस अभियान के तहत मुख्य निर्वाचन अधिकारियों द्वारा 40 बैठकें, जिला निर्वाचन अधिकारियों द्वारा 800 बैठकें और निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों द्वारा 3,879 बैठकें आयोजित की गई, जिनमें देशभर के 28,000 से अधिक पार्टी प्रतिनिधियों ने भाग लिया।मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार, निर्वाचन आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी के निर्देशानुसार, यह अभियान 4-5 मार्च को नई दिल्ली में आयोजित मुख्य निर्वाचन अधिकारियों के सम्मेलन के बाद शुरू किया गया था। इसका उद्देश्य चुनावी प्रक्रिया से जुड़े लंबित मुद्दों को जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 और 1951, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण नियम, 1960 और चुनाव संचालन नियम, 1961 के तहत सुलझाना है। आयोग ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से कार्रवाई रिपोर्ट भी मांगी है। यदि कोई मुद्दा कानूनी ढांचे में अनसुलझा रहता है, तो उसे आयोग स्तर पर निस्तारित किया जाएगा। इस पहल को राजनीतिक दलों की ओर से सराहना मिली है, और उनकी सक्रिय भागीदारी देखी गई। देशभर में हुई इन बैठकों की तस्वीरें भारत निर्वाचन आयोग के आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल पर उपलब्ध हैं।

कैंपेन निर्वाचन आयोग का राजनीतिक दलों के साथ सबसे बड़ा संपर्क अभियान

ईआरओ-डीईओ एवं सीईओ स्तर पर हुआ व्यापक संपर्क

देशभर में 28 हजार से अधिक पार्टी प्रतिनिधियों ने भागीदारी की

महानगर संवाददाता

राजनीतिक दलों से मिली सराहना

उल्लेखनीय है कि विभिन्न राजनीतिक दलों से भी इस संपर्क अभियान को भरपूर सराहना मिली है। इस दौरान विधानसभा क्षेत्रों, जिलों और राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों में राजनीतिक प्रतिनिधियों की सक्रिय और उत्साही भागीदारी रही है। देशभर में हुई बैठकों की तस्वीरें भारत निर्वाचन आयोग के आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल पर देखी जा सकती हैं।

जयपुर। भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने देशभर में निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (ईआरओ), जिला निर्वाचन अधिकारी (डीईओ) और मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) के स्तर पर राजनीतिक दलों के साथ व्यापक एवं योजनाबद्ध तरीके से संपर्क स्थापित किया है। बीते 25 दिनों की अवधि में 31 मार्च तक विभिन्न स्तर पर राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ कुल 4 हजार 719 बैठकें आयोजित की गई हैं। इनमें मुख्य निर्वाचन अधिकारियों द्वारा 40 बैठकें, जिला निर्वाचन अधिकारियों द्वारा 800 बैठकें और निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों द्वारा 3,879 बैठकें शामिल हैं, जिनमें देशभर में राजनीतिक दलों के 28 हजार से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार, निर्वाचन आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी द्वारा 4-5 मार्च को नई दिल्ली में आयोजित मुख्य निर्वाचन अधिकारियों के सम्मेलन के दौरान जारी किए गए निर्देशों के अनुसार ये बैठकें आयोजित की गईं।

आयोग की ओर से इस विशेष संपर्क अभियान का उद्देश्य संबंधित सक्षम प्राधिकारी यानी निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, जिला निर्वाचन अधिकारी या मुख्य निर्वाचन अधिकारी द्वारा चुनावी प्रक्रिया से जुड़े किसी लंबित मुद्दे को जनप्रतिनिधित्व अधिनियम-1950 और 1951, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण नियम-1960, चुनाव संचालन नियम-1961 एवं समय-समय पर निर्वाचन आयोग द्वारा जारी मैनुअल, दिशानिर्देशों तथा निर्देशों के अनुरूप मौजूदा कानूनी ढांचे के भीतर हल करना है। इस क्रम में अग्रिम आंकलन के लिए सभी राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों से कार्रवाई रिपोर्ट मांगी गई है। यदि मौजूदा कानूनी ढांचे के भीतर कोई मुद्दा अनसुलझा रहता है, तो आयोग के स्तर पर उसका निस्तारण किया जाएगा।

भारत निर्वाचन आयोग का राजनीतिक दलों के साथ सबसे बड़ा संपर्क अभियान

मुख्य निर्वाचन अधिकारियों, जिला निर्वाचन अधिकारियों और निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों के स्तर पर 4 हजार 719 बैठकें आयोजित

देश भर में 28 हजार से अधिक पार्टी प्रतिनिधियों ने भागीदारी की

बढ़ता राजस्थान

जयपुर,(का.स.)। भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने देश भर में निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (ईआरओ), जिला निर्वाचन अधिकारी (डीईओ) और मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) के स्तर पर राजनीतिक दलों के साथ व्यापक एवं योजनाबद्ध तरीके से संपर्क स्थापित किया है। बीते 25 दिनों की अवधि में 31 मार्च तक विभिन्न स्तर पर राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ कुल 4 हजार 719 बैठकें आयोजित की गई हैं. इनमें मुख्य निर्वाचन अधिकारियों द्वारा 40 बैठकें, जिला निर्वाचन अधिकारियों द्वारा 800 बैठकें और निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों द्वारा 3,879 बैठकें शामिल हैं, जिनमें देश भर में राजनीतिक दलों के 28 हजार से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया। मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार, निर्वाचन आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी द्वारा 4-5 मार्च को नई दिल्ली में आयोजित मुख्य निर्वाचन अधिकारियों के सम्मेलन के दौरान जारी किए गए निर्देशों के अनुसार ये बैठकें आयोजित की गई। आयोग की ओर से इस विशेष संपर्क अभियान का उद्देश्य संबंधित सक्षम प्राधिकारी, यानी निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, जिला निर्वाचन अधिकारी या मुख्य निर्वाचन अधिकारी द्वारा चुनावी प्रक्रिया से जुड़े किसी लंबित मुद्दे को जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 और 1951, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण नियम, 1960, चुनाव संचालन नियम, 1961 और समय-समय पर भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी मैनुअल, दिशानिर्देशों और निर्देशों के अनुरूप मौजूदा कानूनी ढांचे के भीतर हल करना है। इस क्रम में अग्रिम आंकलन के लिए सभी राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों से कार्रवाई रिपोर्ट मांगी गई है। यदि मौजूदा कानूनी ढांचे के भीतर कोई मुद्दा अनसुलझा रहता है, तो आयोग के स्तर पर उसका निस्तारण किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि विभिन्न राजनीतिक दलों से भी इस सम्पर्क अभियान को भरपूर सराहना मिली है। इस दौरान विधानसभा क्षेत्रों, जिलों और राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में राजनीतिक प्रतिनिधियों की सक्रिय और उत्साही भागीदारी रही है। देश भर में हुई बैठकों की तस्वीरें भारत निर्वाचन आयोग के आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल पर देखी जा सकती है।

भारत निर्वाचन आयोग का राजनीतिक दलों के साथ सबसे बड़ा संपर्क अभियान

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर/बूँदी। भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने देश भर में निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (ईआरओ), जिला निर्वाचन अधिकारी (डीईओ) और मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) के स्तर पर राजनीतिक दलों के साथ व्यापक एवं योजनाबद्ध तरीके से संपर्क स्थापित किया है. बीते 25 दिनों की अवधि में 31 मार्च तक विभिन्न स्तर पर राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ कुल 4,719 बैठकें आयोजित की गई हैं. इनमें मुख्य निर्वाचन अधिकारियों द्वारा 40 बैठकें, जिला निर्वाचन अधिकारियों द्वारा 800 बैठकें और निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों द्वारा 3,879 बैठकें शामिल हैं, जिनमें देश भर में राजनीतिक दलों के 28,000 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया.

मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) श्री ज्ञानेश कुमार, निर्वाचन आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी द्वारा 4-5 मार्च को नई दिल्ली में आयोजित मुख्य निर्वाचन अधिकारियों के सम्मेलन के दौरान जारी किए गए निर्देशों के अनुसार ये बैठकें आयोजित की गई।

आयोग की ओर से इस विशेष संपर्क अभियान का उद्देश्य संबंधित सक्षम प्राधिकारी, यानी निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, जिला निर्वाचन अधिकारी या मुख्य निर्वाचन अधिकारी द्वारा चुनावी प्रक्रिया से जुड़े किसी लंबित मुद्दे को जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 और 1951, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण नियम, 1960, चुनाव संचालन नियम, 1961 और समय-समय पर भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी मैनुअल, दिशानिर्देशों और निर्देशों के अनुरूप मौजूदा कानूनी ढांचे के भीतर हल करना है। इस क्रम में अग्रिम आकलन के लिए सभी राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों से कार्रवाई रिपोर्ट मांगी गई है। यदि मौजूदा कानूनी ढांचे के भीतर कोई मुद्दा अनसुलझा रहता है, तो आयोग के स्तर पर उसका निस्तारण किया जाएगा।

निर्वाचन आयोग का सबसे बड़ा संपर्क अभियान

28,000 से अधिक प्रतिनिधियों ने लिया भाग

जैसलमेर @ पत्रिका. भारत निर्वाचन आयोग ने राजनीतिक दलों के साथ अब तक का सबसे व्यापक संपर्क अभियान चलाया है। 25 दिनों में 4,719 बैठकों का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य निर्वाचन अधिकारियों द्वारा 40, जिला निर्वाचन अधिकारियों द्वारा 800 और निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों की ओर से 3,879 बैठकें की गई। बैठकों मे 28,000 से अधिक पार्टी प्रतिनिधियों ने भाग लिया। अभियान मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार और निर्वाचन आयुक्तों डॉ. सुखबीर सिंह संधू व डॉ. विवेक जोशी के निर्देश पर आयोजित किया गया।

दैनिक रणघोष

भारत निर्वाचन आयोग का राजनीतिक दलों के साथ व्यापक संपर्क अभियान

देश भर में 4,719 बैठकें आयोजित, 28,000 से अधिक पार्टी प्रतिनिधियों ने भाग लिया

रणघोष अपडेट » देशभर

भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने देशभर में राजनीतिक दलों के साथ संगठित और व्यापक संवाद स्थापित करने के लिए एक विशेष संपर्क अभियान चलाया है। इस पहल के तहत निर्वाचन रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों (ईआरओ), जिला निर्वाचन अधिकारियों (डीईओ) और मुख्य निर्वाचन अधिकारियों (सीईओ) के स्तर पर कुल 4,719 बैठकें आयोजित की गईं।

बीते 25 दिनों (31 मार्च तक) की अवधि में आयोजित इन बैठकों में मुख्य निर्वाचन अधिकारियों द्वारा 40, जिला निर्वाचन अधिकारियों द्वारा 800 और निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों द्वारा 3,879 बैठकें की गईं, जिनमें 28,000 से अधिक राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

संपर्क अभियान का उद्देश्य

मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार, निर्वाचन आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी द्वारा 4-5 मार्च को नई दिल्ली में आयोजित मुख्य निर्वाचन अधिकारियों के सम्मेलन में दिए गए निर्देशों के अनुरूप इस अभियान को आगे बढ़ाया गया।

इस विशेष संपर्क अभियान का प्राथमिक उद्देश्य संबंधित सक्षम प्राधिकरणों – निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, जिला निर्वाचन अधिकारी और मुख्य निर्वाचन अधिकारी – के माध्यम से चुनावी प्रक्रिया से जुड़े लंबित मुद्दों का समाधान करना है। यह समाधान जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 और 1951, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण नियम, 1960, चुनाव संचालन नियम, 1961 और भारत निर्वाचन आयोग द्वारा समय-समय पर जारी दिशानिर्देशों एवं निर्देशों के अनुरूप किया जाएगा।

इसके तहत, सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों से इस संपर्क अभियान की कार्रवाई रिपोर्ट मांगी गई है। यदि मौजूदा कानूनी ढांचे के भीतर कोई मुद्दा अनसुलझा रहता है, तो उसे आयोग के स्तर पर हल किया जाएगा।

राजनीतिक दलों की सकारात्मक भागीदारी

इस अभियान को विभिन्न राजनीतिक दलों की ओर से व्यापक समर्थन और सराहना प्राप्त हुई है। विधानसभा क्षेत्रों, जिलों और राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में राजनीतिक प्रतिनिधियों की सक्रिय और उत्साही भागीदारी इस पहल की सफलता को दर्शाती है। राजस्थान में इस अभियान के तहत कुल 234 बैठकें आयोजित की गईं, जिनमें 1,115 राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

सूचना स्रोतः इस व्यापक अभियान की झलक भारत निर्वाचन आयोग के आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल पर देखी जा सकती है।

निर्वाचन विभाग : देश भर में 28,000 से अधिक पार्टी प्रतिनिधियों ने भागीदारी की

नई दिल्ली।

भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने देश भर में निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (ईआरओ), जिला निर्वाचन अधिकारी (डीईओ) और मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) के स्तर पर राजनीतिक दलों के साथ व्यापक एवं योजनाबद्ध तरीके से संपर्क स्थापित किया है। बीते 25 दिनों की अवधि में 31 मार्च तक विभिन्न स्तर पर राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ कुल 4,719 बैठकें आयोजित की गई हैं। इनमें मुख्य निर्वाचन अधिकारियों द्वारा 40 बैठकें, जिला निर्वाचन अधिकारियों द्वारा 800 बैठकें और निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों द्वारा 3,879 बैठकें शामिल हैं, जिनमें देश भर में राजनीतिक दलों के 28,000 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) श्री ज्ञानेश कुमार, निर्वाचन आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी द्वारा 4-5 मार्च को नई दिल्ली में आयोजित मुख्य निर्वाचन अधिकारियों के सम्मेलन के दौरान जारी किए गए निर्देशों के अनुसार ये बैठकें आयोजित की गईं।

आयोग की ओर से इस विशेष संपर्क अभियान का उद्देश्य संबंधित सक्षम प्राधिकारी, यानी निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, जिला निर्वाचन अधिकारी या मुख्य निर्वाचन अधिकारी द्वारा चुनावी प्रक्रिया से जुड़े किसी लंबित मुद्दे को जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 और 1951, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण नियम, 1960, चुनाव संचालन नियम, 1961 और समय-समय पर भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी मैनुअल, दिशानिर्देशों और निर्देशों के अनुरूप मौजूदा कानूनी ढांचे के भीतर हल करना है। इस क्रम में अग्रिम आकलन के लिए सभी राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों से कार्रवाई रिपोर्ट मांगी गई है। यदि मौजूदा कानूनी ढांचे के भीतर कोई मुद्दा अनसुलझा रहता है, तो आयोग के स्तर पर उसका निस्तारण किया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि विभिन्न राजनीतिक दलों से भी इस सम्पर्क अभियान को भरपूर सराहना मिली है। इस दौरान विधानसभा क्षेत्रों, जिलों और राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में राजनीतिक प्रतिनिधियों की सक्रिय और उत्साही भागीदारी रही है। देश भर में हुई बैठकों की तस्वीरें भारत निर्वाचन आयोग के आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल पर देखी जा सकती हैं।

भारत निर्वाचन आयोग का राजनीतिक दलों के साथ सबसे बड़ा संपर्क अभियान

-मुख्य निर्वाचन अधिकारियों, जिला निर्वाचन अधिकारियों और निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों के स्तर पर 4,719 बैठकें आयोजित

-देश भर में 28,000 से अधिक पार्टी प्रतिनिधियों ने भागीदारी की

नई दिल्ली, 1 अप्रैल। भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने देश भर में निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (ईआरओ), जिला निर्वाचन अधिकारी (डीईओ) और मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) के स्तर पर राजनीतिक दलों के साथ व्यापक एवं योजनाबद्ध तरीके से संपर्क स्थापित किया है। बीते 25 दिनों की अवधि में 31 मार्च तक विभिन्न स्तर पर राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ कुल 4,719 बैठकें आयोजित की गई हैं। इनमें मुख्य निर्वाचन अधिकारियों द्वारा 40 बैठकें, जिला निर्वाचन अधिकारियों द्वारा 800 बैठकें और निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों द्वारा 3,879 बैठकें शामिल हैं, जिनमें देश भर में राजनीतिक दलों के 28,000 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया। मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) श्री ज्ञानेश कुमार, निर्वाचन आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी द्वारा 4-5 मार्च को नई दिल्ली में आयोजित मुख्य निर्वाचन अधिकारियों के सम्मेलन के दौरान जारी किए गए निर्देशों के अनुसार ये बैठकें आयोजित की गईं। आयोग की ओर से इस विशेष संपर्क अभियान का उद्देश्य संबंधित सक्षम प्राधिकारी, यानी निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, जिला निर्वाचन अधिकारी या मुख्य निर्वाचन अधिकारी द्वारा चुनावी प्रक्रिया से जु? किसी लंबित मुद्दे को जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 और 1951, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण नियम, 1960, चुनाव संचालन नियम, 1961 और समय-समय पर भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी मैनुअल, दिशानिर्देशों और निर्देशों के

है। इस क्रम में अग्रिम आकलन के लिए सभी राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों से कार्रवाई रिपोर्ट मांगी गई है। यदि मौजूदा कानूनी ढांचे के भीतर कोई मुद्दा अनसुलझा रहता है, तो आयोग के स्तर पर उसका निस्तारण किया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि विभिन्न राजनीतिक दलों से भी इस सम्पर्क अभियान को भरपूर सराहना मिली है। इस दौरान विधानसभा क्षेत्रों, जिलों और राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में राजनीतिक प्रतिनिधियों की सक्रिय और उत्साही भागीदारी रही है। देश भर में हुई बैठकों की तस्वीरें भारत निर्वाचन आयोग के आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल पर देखी जा सकती हैं।

भव्य चैत्र नवरात्रा महोत्सव का आयोजन

सूरतगढ़ 1 अप्रैल (अशोक वर्मा)। सूरतगढ़ के वार्ड नंबर 6 में श्री बालाजी श्री किशन पितर जी मंदिर धाम में भक्त शिरोमणि प्रेमा बाई के पावन सानिध्य में अप्रैल गुरुवार को दिन में भव्य चैत्र नवरात्रा महोत्सव का आयोजन होगा। मंदिर प्रभारी भक्त लेखराम सैन ने बताया मंदिर में सुबह से लेकर शाम तक विशाल भजन संकीर्तन व भव्य चैत्र

मनाया जायेगा, नामी भजन गायकों*द्वारा बाबे का यश गान किया जायेगा मंदिर प्रवक्ता आशीष स्वामी ने बताया भव्य कार्यक्रम में नवदुर्गा स्वरूप की संजीव झांकियों के दर्शन सभी भक्तों को करने का शुभ अवसर प्राप्त होगा, भव्य कार्यक्रम में भारत के कोने कोने से जातरू आते है समिति के वरिष्ठ डॉ. विशाल छाबड़ा ने बताया भव्य कार्यक्रम में सभी भक्तों के सहयोग से सभी श्रद्धालुओं के लिए अटुट लंगर बरताई जायेगी । प्रबंधक ममता चौहान ने बताया सभी श्रद्धालुओं के सुख समृद्धि के लिए भक्त शिरोमणि प्रेमा बाई द्वारा आलौकिक दिव्य ज्योत प्रज्वलित कर आशीर्वाद दिया जाएगा । भव्य चैत्र नवरात्रा महोत्सव में बीकानेर से ओमप्रकाश राठी, शिव ओझा सालासर धाम वाले पुजारी देवकीनंदन जी आदि भजनों की प्रस्तुति देंगे व स्थानीय कलाकार भी बाबे का गुणगान करेंगे प्रबंधक ममता चौहान महिलाओं को सुचारू रूप से यथा स्थान उपलब्ध कराने की व्यवस्थाओ में सहयोग करेगी मंदिर के सेवादार,प्रताप सिंह महला, आशीष स्वामी ,सुरेंद्र कुमार, मोहनलाल सुथार, ,हरीश जगवानी ,कुलवंत उपाध्याय ,विजय कुमार ,नरपत सिंह ,प्रकाश तावणिया, परतु राम वर्मा,

दैनिक नवज्योति

भारत निर्वाचन आयोग का राजनीतिक दलों के साथ सबसे बड़ा संपर्क अभियान

नवज्योति/जोधपुर।

मुख्य निर्वाचन अधिकारियों, जिला निर्वाचन अधिकारियों और निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों के स्तर पर 4,719 बैठकें आयोजित की गई जिसमें देश भर में 28,000 से अधिक पार्टी प्रतिनिधियों ने भागीदारी निभाई।

25 दिनों में की 4,719 बैठकें, 28,000 से अधिक पार्टी प्रतिनिधियों ने निभाई भागीदारी

भारत निर्वाचन आयोग ने देश भर में निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, जिला निर्वाचन अधिकारी और मुख्य निर्वाचन अधिकारी के स्तर पर राजनीतिक दलों के साथ व्यापक एवं योजनाबद्ध तरीके से संपर्क स्थापित किया है। बीते 25 दिनों की अवधि में 31 मार्च तक विभिन्न स्तर पर राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ कुल 4,719 बैठकें आयोजित की गईं हैं। इनमें मुख्य निर्वाचन अधिकारियों द्वारा 40 बैठकें, जिला निर्वाचन अधिकारियों द्वारा 800 बैठकें और निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों द्वारा 3,879 बैठकें शामिल हैं।जिनमें देश भर में राजनीतिक दलों के 28,000 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लियाए

मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार, निर्वाचन आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी द्वारा 4-5 मार्च को नई दिल्ली में आयोजित मुख्य निर्वाचन अधिकारियों के सम्मेलन के दौरान जारी किए गए निर्देशों के अनुसार ये बैठकें आयोजित की गईं थी। उल्लेखनीय है कि विभिन्न राजनीतिक दलों से भी इस सम्पर्क अभियान को भरपूर सराहना मिली हैण इस दौरान विधानसभा क्षेत्रोंए जिलों और राज्योंध्केंद्र शासित प्रदेशों में राजनीतिक प्रतिनिधियों की सक्रिय और उत्साही भागीदारी रही हैण देश भर में हुई बैठकों की तस्वीरें भारत निर्वाचन आयोग के आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल पर देखी जा सकती हैं

दैनिक जलते दीप

चुनाव आयोग का आउटरीच अभियान, राजनीतिक दलों के साथ 4,719 बैठकें

■ एजेंसी, नई दिल्ली

चुनाव आयोग ने राजनीतिक दलों से जुड़े जमीनी स्तर के मसलों के समाधान के लिए एक व्यापक आउटरीच अभियान चलाया। इसमें 25 दिनों में राजनीतिक दलों के 28 हजार प्रतिनिधियों से बातचीत की गई है।

चुनाव आयोग के अनुसार देशभर में निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी (ईआरओ), जिला चुनाव अधिकारी (डीईओ) और मुख्य चुनाव अधिकारी (सीईओ) के स्तर पर राजनीतिक दलों के साथ यह बैठकें की गई हैं। 25 दिनों की अवधि में 31 मार्च तक कुल 4, 719 बैठकें हुई हैं। इनमें सीईओ द्वारा 40 बैठकें, डीईओ द्वारा 800 बैठकें और ईआरओ द्वारा 3, 879 बैठकें की गई हैं। इसमें राजनीतिक दलों के 28 हजार से अधिक प्रतिनिधि शामिल हुए हैं।

राजस्थान प्रदेश का लोकप्रिय. निष्पक्ष, प्रात:कालीन दैनिक

उजाला भारत

भारत निर्वाचन आयोग का राजनीतिक दलों के साथ सबसे बड़ा संपर्क अभियान

उजाला भारत न्यूज

जोधपुर। भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने देश भर में निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (ईआरओ), जिला निर्वाचन अधिकारी (डीईओ) और मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) के स्तर पर राजनीतिक दलों के साथ व्यापक एवं योजनाबद्ध तरीके से संपर्क स्थापित किया है। बीते 25 दिनों की अवधि में 31 मार्च तक विभिन्न स्तर पर राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ कुल 4,719 बैठकें आयोजित की गईं हैं. इनमें मुख्य निर्वाचन अधिकारियों द्वारा 40 बैठकें, जिला निर्वाचन अधिकारियों द्वारा 800 बैठकें और निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों द्वारा 3,879 बैठकें शामिल हैं, जिनमें देश भर में राजनीतिक दलों के 28,000 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार, निर्वाचन आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी द्वारा 4-5 मार्च को नई दिल्ली में आयोजित मुख्य निर्वाचन अधिकारियों के सम्मेलन के दौरान जारी किए गए निर्देशों के अनुसार ये बैठकें आयोजित की गई।

आयोग की ओर से इस विशेष संपर्क अभियान का उद्देश्य संबंधित सक्षम प्राधिकारी, यानी निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, जिला निर्वाचन अधिकारी या मुख्य निर्वाचन अधिकारी द्वारा चुनावी प्रक्रिया से जुड़े किसी लंबित मुद्दे को जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 और 1951, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण नियम, 1960, चुनाव संचालन नियम, 1961 और समय-समय पर भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी मैनुअल, दिशा-निर्देशों और निर्देशों के अनुरूप मौजूदा कानूनी ढांचे के भीतर हल करना है। इस क्रम में अग्रिम आकलन के लिए सभी राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों से कार्रवाई रिपोर्ट मांगी गई है।

यदि मौजूदा कानूनी ढांचे के भीतर कोई मुद्दा अनसुलझा रहता है, तो आयोग के स्तर पर उसका निस्तारण किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि विभिन्न राजनीतिक दलों से भी इस सम्पर्क अभियान को भरपूर सराहना मिली है. इस दौरान विधानसभा क्षेत्रों, जिलों और राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में राजनीतिक प्रतिनिधियों की सक्रिय और उत्साही भागीदारी रही है।

विश्वास एक्सप्रेस

भारत निर्वाचन आयोग का राजनीतिक दलों के साथ सबसे बड़ा संपर्क अभियान

विश्वास एक्सप्रेस

जोधपुर। भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने देश भर में निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (ईआरओ), जिला निर्वाचन अधिकारी (डीईओ) और मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) के स्तर पर राजनीतिक दलों के साथ व्यापक एवं योजनाबद्ध तरीके से संपर्क स्थापित किया है.बीते 25 दिनों की अवधि में 31 मार्च तक विभिन्न स्तर पर राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ कुल 4,719 बैठकें आयोजित की गई हैं. इनमें मुख्य निर्वाचन अधिकारियों द्वारा 40 बैठकें, जिला निर्वाचन अधिकारियों द्वारा 800 बैठकें और निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों द्वारा 3,879 बैठकें शामिल हैं, जिनमें देश भर में राजनीतिक दलों के 28,000 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया । मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) श्री ज्ञानेश कुमार, निर्वाचन आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी द्वारा 4-5 मार्च को नई दिल्ली में आयोजित मुख्य निर्वाचन अधिकारियों के सम्मेलन के दौरान जारी किए गए निर्देशों के अनुसार ये बैठकें आयोजित की गईं । आयोग की ओर से इस विशेष संपर्क अभियान का उद्देश्य संबंधित सक्षम प्राधिकारी, यानी निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, जिला निर्वाचन अधिकारी या मुख्य निर्वाचन अधिकारी द्वारा चुनावी प्रक्रिया से जुड़े किसी लंबित मुद्दे को जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 और 1951, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण नियम, 1960, चुनाव संचालन नियम, 1961 और समय-समय पर भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी मैनुअल, दिशानिर्देशों और निर्देशों के अनुरूप मौजूदा कानूनी ढांचे के भीतर हल करना है । इस क्रम में अग्रिम आकलन के लिए सभी राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों से कार्रवाई रिपोर्ट मांगी गई है । यदि मौजूदा कानूनी ढांचे के भीतर कोई मुद्दा अनसुलझा रहता है, तो आयोग के स्तर पर उसका निस्तारण किया जाएगा । उल्लेखनीय है कि विभिन्न राजनीतिक दलों से भी इस सम्पर्क अभियान को भरपूर सराहना मिली है । इस दौरान विधानसभा क्षेत्रों, जिलों और राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में राजनीतिक प्रतिनिधियों की सक्रिय और उत्साही भागीदारी रही है ।

जयपुर
मिशन पत्रकारिता का प्रहरी
महानगर टाइम्स

कैंपेन | निर्वाचन आयोग का राजनीतिक दलों के साथ सबसे बड़ा संपर्क अभियान

ईआरओ-डीईओ एवं सीईओ स्तर पर हुआ व्यापक संपर्क

देशभर में 28 हजार से अधिक पार्टी प्रतिनिधियों ने भागीदारी की

महानगर संवाददाता

जयपुर। भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने देशभर में निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (ईआरओ), जिला निर्वाचन अधिकारी (डीईओ) और मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) के स्तर पर राजनीतिक दलों के साथ व्यापक एवं योजनाबद्ध तरीके से संपर्क स्थापित किया है। बीते 25 दिनों की अवधि में 31 मार्च तक विभिन्न स्तर पर राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ कुल 4 हजार 719 बैठकें आयोजित की गई हैं। इनमें मुख्य निर्वाचन अधिकारियों द्वारा 40 बैठकें, जिला निर्वाचन अधिकारियों द्वारा 800 बैठकें और निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों द्वारा 3,879 बैठकें शामिल हैं, जिनमें देशभर में राजनीतिक दलों के 28 हजार से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार, निर्वाचन आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी द्वारा 4-5 मार्च को नई दिल्ली में आयोजित मुख्य निर्वाचन अधिकारियों के सम्मेलन के दौरान जारी किए गए निर्देशों के अनुसार ये बैठकें आयोजित की गईं।

आयोग की ओर से इस विशेष संपर्क अभियान का उद्देश्य संबंधित सक्षम प्राधिकारी यानी निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, जिला निर्वाचन अधिकारी या मुख्य निर्वाचन अधिकारी द्वारा चुनावी प्रक्रिया से जुड़े किसी लंबित मुद्दे को जनप्रतिनिधित्व अधिनियम-1950 और 1951, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण नियम-1960, चुनाव संचालन नियम-1961 एवं समय-समय पर निर्वाचन आयोग द्वारा जारी मैनुअल, दिशानिर्देशों तथा निर्देशों के अनुरूप मौजूदा कानूनी ढांचे के भीतर हल करना है। इस क्रम में अग्रिम आंकलन के लिए सभी राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों से कार्रवाई रिपोर्ट मांगी गई है। यदि मौजूदा कानूनी ढांचे के भीतर कोई मुद्दा अनसुलझा रहता है, तो आयोग के स्तर पर उसका निस्तारण किया जाएगा।

राजनीतिक दलों से मिली सराहना

उल्लेखनीय है कि विभिन्न राजनीतिक दलों से भी इस संपर्क अभियान को भरपूर सराहना मिली है। इस दौरान विधानसभा क्षेत्रों, जिलों और राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों में राजनीतिक प्रतिनिधियों की सक्रिय और उत्साही भागीदारी रही है। देशभर में हुई बैठकों की तस्वीरें भारत निर्वाचन आयोग के आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल पर देखी जा सकती हैं।

भारत निर्वाचन आयोग का राजनीतिक दलों के साथ सबसे बड़ा संपर्क अभियान

मुख्य निर्वाचन अधिकारियों, जिला निर्वाचन अधिकारियों और निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों के स्तर पर 4 हजार 719 बैठकें आयोजित

देश भर में 28 हजार से अधिक पार्टी प्रतिनिधियों ने भागीदारी की

(स्टेटमेन्ट संवाददाता)

जयपुर। भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने देश भर में निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (ईआरओ), जिला निर्वाचन अधिकारी (डीईओ) और मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) के स्तर पर राजनीतिक दलों के साथ व्यापक एवं योजनाबद्ध तरीके से संपर्क स्थापित किया है।

बीते 25 दिनों की अवधि में 31 मार्च तक विभिन्न स्तर पर राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ कुल 4 हजार 719 बैठकें आयोजित की गईं हैं. इनमें मुख्य निर्वाचन अधिकारियों द्वारा 40 बैठकें, जिला निर्वाचन अधिकारियों द्वारा 800 बैठकें और निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों द्वारा 3,879 बैठकें शामिल हैं, जिनमें देश भर में राजनीतिक दलों के 28 हजार से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया। मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार, निर्वाचन आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी द्वारा 4-5 मार्च को नई दिल्ली में आयोजित मुख्य निर्वाचन अधिकारियों के सम्मेलन के दौरान जारी किए गए निर्देशों के अनुसार ये बैठकें आयोजित की गई। आयोग की ओर से इस विशेष संपर्क अभियान का उद्देश्य संबंधित सक्षम प्राधिकारी, यानी निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, जिला निर्वाचन अधिकारी या मुख्य निर्वाचन अधिकारी द्वारा चुनावी प्रक्रिया से जुड़े किसी लंबित मुद्दे को जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 और 1951, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण नियम, 1960, चुनाव संचालन नियम, 1961 और समय-समय पर भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी मैनुअल, दिशानिर्देशों और निर्देशों के अनुरूप मौजूदा कानूनी ढांचे के भीतर हल करना है। इस क्रम में अग्रिम आंकलन के लिए सभी राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों से कार्रवाई रिपोर्ट मांगी गई है। यदि मौजूदा कानूनी ढांचे के भीतर कोई मुद्दा अनसुलझा रहता है, तो आयोग के स्तर पर उसका निस्तारण किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि विभिन्न राजनीतिक दलों से भी इस सम्पर्क अभियान को भरपूर सराहना मिली है। इस दौरान विधानसभा क्षेत्रों, जिलों और राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में राजनीतिक प्रतिनिधियों की सक्रिय और उत्साही भागीदारी रही है। देश भर में हुई बैठकों की तस्वीरें भारत निर्वाचन आयोग के आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल पर देखी जा सकती है।

जोधपुर, जयपुर एवं अजमेर से प्रकाशित राज्य स्तरीय दैनिक

हुकमनामा समाचार

जोधपुर, बुधवार, 02 अप्रैल, 2025 :: मूल्य 2 रु. :: पृष्ठ संख्या 8 :: आर.एन.आई.नं. RAJHIN/2004/14675 :: वर्ष 21 :: अंक 187

www.hukmnamasamachar.com

मुख्य निर्वाचन अधिकारियों, जिला निर्वाचन अधिकारियों और निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों के स्तर पर 4,719 बैठकें आयोजित

भारत निर्वाचन आयोग का राजनीतिक दलों के साथ सबसे बड़ा संपर्क अभियान

देश भर में 28,000 से अधिक पार्टी प्रतिनिधियों ने भागीदारी की

नई दिल्ली। भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने देश भर में निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (ईआरओ), जिला निर्वाचन अधिकारी (डीईओ) और मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) के स्तर पर राजनीतिक दलों के साथ व्यापक एवं योजनाबद्ध तरीके से संपर्क स्थापित किया है. बीते 25 दिनों की अवधि में 31 मार्च तक विभिन्न स्तर पर राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ कुल 4,719 बैठकें आयोजित की गई हैं. इनमें मुख्य निर्वाचन अधिकारियों द्वारा 40 बैठकें, जिला निर्वाचन अधिकारियों द्वारा 800 बैठकें और निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों द्वारा 3,879 बैठकें शामिल हैं, जिनमें देश भर में राजनीतिक दलों के 28,000 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया।।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार, निर्वाचन आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी द्वारा 4-5 मार्च को नई दिल्ली में आयोजित मुख्य निर्वाचन अधिकारियों के सम्मेलन के दौरान जारी किए गए निर्देशों के अनुसार ये बैठकें आयोजित की गई।

आयोग की ओर से इस विशेष संपर्क अभियान का उद्देश्य संबंधित सक्षम प्राधिकारी, यानी निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, जिला निर्वाचन अधिकारी या मुख्य निर्वाचन अधिकारी द्वारा चुनावी प्रक्रिया से जुड़े किसी लंबित मुद्दे को जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 और 1951, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण नियम, 1960, चुनाव संचालन नियम, 1961 और समय-समय पर भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी मैनुअल, दिशानिर्देशों और निर्देशों के अनुरूप मौजूदा कानूनी ढांचे के भीतर हल करना है।

इस क्रम में अग्रिम आकलन के लिए सभी राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों से कार्रवाई रिपोर्ट मांगी गई है. यदि मौजूदा कानूनी ढांचे के भीतर कोई मुद्दा अनसुलझा रहता है, तो आयोग के स्तर पर उसका निस्तारण

किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि विभिन्न राजनीतिक दलों से भी इस सम्पर्क अभियान को भरपूर सराहना मिली है. इस दौरान विधानसभा क्षेत्रों, जिलों और राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में राजनीतिक प्रतिनिधियों की सक्रिय और उत्साही भागीदारी रही है. देश भर में हुई बैठकों की तस्वीरें भारत निर्वाचन आयोग के आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल पर देखी जा सकती हैं।

जागरूक टाइम्स

जयपुर, बुधवार, 2 अप्रैल, 2025

भारत निर्वाचन आयोग का राजनीतिक दलों के साथ सबसे बड़ा संपर्क अभियान

मुख्य निर्वाचन अधिकारियों, जिला निर्वाचन अधिकारियों और निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों के स्तर पर 4 हजार 719 बैठकें आयोजित

देशभर में 28 हजार से अधिक पार्टी प्रतिनिधियों ने भागीदारी की

जागरूक टाइम्स संवाददाता

जयपुर। भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने देश भर में निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (ईआरओ), जिला निर्वाचन अधिकारी (डीईओ) और मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) के स्तर पर राजनीतिक दलों के साथ व्यापक एवं योजनाबद्ध तरीके से संपर्क स्थापित किया है। बीते 25 दिनों की अवधि में 31 मार्च तक विभिन्न स्तर पर राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ कुल 4 हजार 719 बैठकें आयोजित की गई हैं। इनमें मुख्य निर्वाचन अधिकारियों द्वारा 40 बैठकें, जिला निर्वाचन अधिकारियों द्वारा 800 बैठकें और निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों द्वारा 3,879 बैठकें शामिल हैं, जिनमें देश भर में राजनीतिक दलों के 28 हजार से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार, निर्वाचन आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी द्वारा 4-5 मार्च को नई दिल्ली में आयोजित मुख्य निर्वाचन अधिकारियों के सम्मेलन के दौरान जारी किए गए निर्देशों के अनुसार ये बैठकें आयोजित की गई।

आयोग की ओर से इस विशेष संपर्क अभियान का उद्देश्य संबंधित सक्षम प्राधिकारी, यानी निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, जिला निर्वाचन अधिकारी या मुख्य निर्वाचन अधिकारी द्वारा चुनावी प्रक्रिया से जुड़े किसी लंबित मुद्दे को जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 और 1951, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण नियम, 1960, चुनाव संचालन नियम, 1961 और समय-समय पर भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी मैनुअल, दिशानिर्देशों और निर्देशों के अनुरूप मौजूदा कानूनी ढांचे के भीतर हल करना है। इस क्रम में अग्रिम आंकलन के लिए सभी राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों से कार्रवाई रिपोर्ट मांगी गई है। यदि मौजूदा कानूनी ढांचे के भीतर कोई मुद्दा अनसुलझा रहता है, तो आयोग के स्तर पर उसका निस्तारण किया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि विभिन्न राजनीतिक दलों से भी इस सम्पर्क अभियान को भरपूर सराहना मिली है। इस दौरान विधानसभा क्षेत्रों, जिलों और राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में राजनीतिक प्रतिनिधियों की सक्रिय और उत्साही भागीदारी रही है। देश भर में हुई बैठकों की तस्वीरें भारत निर्वाचन आयोग के आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल पर देखी जा सकती है।

दैनिक
जयपुर,सीकर, झुंझुनूं, चुरू,नागौर एवं अलवर से एक साथ प्रकाशित
जयपुर टाइम्स
नई सोच नई रफ्तार
डाक पंजीयन संख्या : जयपुर सिटी / 007/2017-19 | जयपुर, बुधवार 2 अप्रेल, 2025 | RNI.No.RAJHIN/2016/70162

भारत निर्वाचन आयोग का सबसे बड़ा राजनीतिक संपर्क अभियान, 4,719 बैठकें आयोजित

जयपुर टाइम्स

जयपुर, (का.सं.)। भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने देशभर में राजनीतिक दलों के साथ व्यापक संपर्क अभियान चलाते हुए बीते 25 दिनों में 4,719 बैठकें आयोजित की हैं। इन बैठकों में मुख्य निर्वाचन अधिकारियों (सीईओ), जिला निर्वाचन अधिकारियों (डीईओ) और निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों (ईआरओ) के स्तर पर राजनीतिक प्रतिनिधियों से संवाद किया गया।

इस अभियान के तहत मुख्य निर्वाचन अधिकारियों द्वारा 40 बैठकें, जिला निर्वाचन अधिकारियों द्वारा 800 बैठकें और निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों द्वारा 3,879 बैठकें आयोजित की गईं, जिनमें देशभर के 28,000 से अधिक पार्टी प्रतिनिधियों ने भाग लिया।मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार, निर्वाचन आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी के निर्देशानुसार, यह अभियान 4-5 मार्च को नई दिल्ली में आयोजित मुख्य निर्वाचन अधिकारियों के सम्मेलन के बाद शुरू किया गया था। इसका उद्देश्य चुनावी प्रक्रिया से जुड़े लंबित मुद्दों को जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 और 1951, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण नियम, 1960 और चुनाव संचालन नियम, 1961 के तहत सुलझाना है। आयोग ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से कार्रवाई रिपोर्ट भी मांगी है। यदि कोई मुद्दा कानूनी ढांचे में अनसुलझा रहता है, तो उसे आयोग स्तर पर निस्तारित किया जाएगा। इस पहल को राजनीतिक दलों की ओर से सराहना मिली है, और उनकी सक्रिय भागीदारी देखी गई। देशभर में हुई इन बैठकों की तस्वीरें भारत निर्वाचन आयोग के आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल पर उपलब्ध हैं।

भारत निर्वाचन आयोग का राजनीतिक दलों के साथ सबसे बड़ा संपर्क अभियान

4719 बैठकें आयोजित, देश भर में 28 हजार से अधिक पार्टी प्रतिनिधियों ने की भागीदारी

प्रकाश कुंज

जयपुर. भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने देश भर में निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (ईआरओ), जिला निर्वाचन अधिकारी (डीईओ) और मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) के स्तर पर राजनीतिक दलों के साथ व्यापक एवं योजनाबद्ध तरीके से संपर्क स्थापित किया है। बीते 25 दिनों की अवधि में 31 मार्च तक विभिन्न स्तर पर राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ कुल 4 हजार 719 बैठकें आयोजित की गई हैं। इनमें मुख्य निर्वाचन अधिकारियों द्वारा 40 बैठकें, जिला निर्वाचन अधिकारियों द्वारा 800 बैठकें और निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों द्वारा 3,879 बैठकें शामिल हैं, जिनमें देश भर में राजनीतिक दलों के 28 हजार से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार, निर्वाचन आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी द्वारा 4-5 मार्च को नई दिल्ली में आयोजित मुख्य निर्वाचन अधिकारियों के सम्मेलन के दौरान जारी किए गए निर्देशों के अनुसार ये बैठकें आयोजित की गई। आयोग की ओर से इस विशेष संपर्क अभियान का उद्देश्य संबंधित सक्षम प्राधिकारी, यानी निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, जिला निर्वाचन अधिकारी या मुख्य निर्वाचन अधिकारी द्वारा चुनावी प्रक्रिया से जुड़े किसी लंबित मुद्दे को जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 और 1951, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण नियम, 1960, चुनाव संचालन नियम, 1961 और समय-समय पर भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी मैनुअल, दिशानिर्देशों और निर्देशों के अनुरूप मौजूदा कानूनी ढांचे के भीतर हल करना है। इस क्रम में अग्रिम आंकलन के लिए सभी राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों से कार्रवाई रिपोर्ट मांगी गई है। यदि मौजूदा कानूनी ढांचे के भीतर कोई मुद्दा अनसुलझा रहता है, तो आयोग के स्तर पर उसका निस्तारण किया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि विभिन्न राजनीतिक दलों से भी इस सम्पर्क अभियान को भरपूर सराहना मिली है। इस दौरान विधानसभा क्षेत्रों, जिलों और राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में राजनीतिक प्रतिनिधियों की सक्रिय और उत्साही भागीदारी रही है। देश भर में हुई बैठकों की तस्वीरें भारत निर्वाचन आयोग के आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल पर देखी जा सकती है।

विशेष गरिमा

भारत निर्वाचन आयोग का राजनीतिक दलों के साथ सबसे बड़ा संपर्क अभियान

देश भर में 28,000 से अधिक पार्टी प्रतिनिधियों ने भागीदारी की

मुख्य निर्वाचन अधिकारियों, जिला निर्वाचन अधिकारियों और निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों के स्तर पर 4,719 बैठकें आयोजित

विशेष गरिमा

दिल्ली । भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने देश भर में निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (ईआरओ), जिला निर्वाचन अधिकारी (डीईओ) और मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) के स्तर पर राजनीतिक दलों के साथ व्यापक एवं योजनाबद्ध तरीके से संपर्क स्थापित किया है। बीते 25 दिनों की अवधि में 31 मार्च तक विभिन्न स्तर पर राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ कुल 4,719 बैठकें आयोजित की गई हैं। इनमें मुख्य निर्वाचन अधिकारियों द्वारा 40 बैठकें, जिला निर्वाचन अधिकारियों द्वारा 800 बैठकें और निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों द्वारा 3,879 बैठकें शामिल हैं, जिनमें देश भर में राजनीतिक दलों के 28,000 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार, निर्वाचन आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी द्वारा 4-5 मार्च को नई दिल्ली में आयोजित मुख्य निर्वाचन अधिकारियों के सम्मेलन के दौरान जारी किए गए निर्देशों के अनुसार ये बैठकें आयोजित की गईं। आयोग की ओर से इस विशेष संपर्क अभियान का उद्देश्य संबंधित सक्षम प्राधिकारी, यानी निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, जिला निर्वाचन अधिकारी या मुख्य निर्वाचन अधिकारी द्वारा चुनावी प्रक्रिया से जुड़े किसी लंबित मुद्दे को जनप्रतिनिधित्व

अधिनियम, 1950 और 1951, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण नियम, 1960, चुनाव संचालन नियम, 1961 और समय-समय पर भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी मैनुअल, दिशानिर्देशों और निर्देशों के अनुरूप मौजूदा कानूनी ढांचे के भीतर हल करना है. इस क्रम में अग्रिम आकलन के लिए सभी राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों से कार्रवाई रिपोर्ट मांगी गई है. यदि मौजूदा कानूनी ढांचे के भीतर कोई मुद्दा अनसुलझा रहता है, तो आयोग के स्तर पर उसका निस्तारण किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि विभिन्न राजनीतिक दलों से भी इस सम्पर्क अभियान को भरपूर सराहना मिली है. इस दौरान विधानसभा क्षेत्रों, जिलों और राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में राजनीतिक प्रतिनिधियों की सक्रिय और उत्साही भागीदारी रही है।

जयपुर मिड-डे टाईम्स

भारत निर्वाचन आयोग का राजनीतिक दलों के साथ सबसे बड़ा संपर्क अभियान

मुख्य निर्वाचन अधिकारियों, जिला निर्वाचन अधिकारियों और निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों के स्तर पर 4,719 बैठकें आयोजित, देश भर में 28,000 से अधिक पार्टी प्रतिनिधियों ने भागीदारी की

जयपुर। भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने देश भर में निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (ईआरओ), जिला निर्वाचन अधिकारी (डीईओ) और मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) के स्तर पर राजनीतिक दलों के साथ व्यापक एवं योजनाबद्ध तरीके से संपर्क स्थापित किया है. बीते 25 दिनों की अवधि में 31 मार्च तक विभिन्न स्तर पर राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ कुल 4,719 बैठकें आयोजित की गई हैं. इनमें मुख्य निर्वाचन अधिकारियों द्वारा 40 बैठकें, जिला निर्वाचन अधिकारियों द्वारा 800 बैठकें और निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों द्वारा 3,879 बैठकें शामिल हैं, जिनमें देश भर में राजनीतिक दलों के 28,000 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया. मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार, निर्वाचन आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी द्वारा 4-5 मार्च को नई दिल्ली में आयोजित मुख्य निर्वाचन अधिकारियों के सम्मेलन के दौरान जारी किए गए निर्देशों के अनुसार ये बैठकें आयोजित की गई.

आयोग की ओर से इस विशेष संपर्क अभियान का उद्देश्य संबंधित सक्षम प्राधिकारी, यानी निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, जिला निर्वाचन अधिकारी या मुख्य निर्वाचन अधिकारी द्वारा चुनावी प्रक्रिया से जुड़े किसी लंबित मुद्दे को जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 और 1951, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण नियम, 1960, चुनाव संचालन नियम, 1961 और समय-समय पर भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी मैनुअल, दिशानिर्देशों और निर्देशों के अनुरूप मौजूदा कानूनी ढांचे के भीतर हल करना है. इस क्रम में अग्रिम आकलन के लिए सभी राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों से कार्रवाई रिपोर्ट मांगी गई है. यदि मौजूदा कानूनी ढांचे के भीतर कोई मुद्दा अनसुलझा रहता है, तो आयोग के स्तर पर उसका निस्तारण किया जाएगा. उल्लेखनीय है कि विभिन्न राजनीतिक दलों से भी इस सम्पर्क अभियान को भरपूर सराहना मिली है. इस दौरान विधानसभा क्षेत्रों, जिलों और राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में राजनीतिक प्रतिनिधियों की सक्रिय और उत्साही भागीदारी रही है. देश भर में हुई बैठकों की तस्वीरें भारत निर्वाचन आयोग के आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल पर देखी जा सकती हैं।

दैनिक
कंट्री विजन
खबरों का नया नज़रिया
जयपुर, बुधवार, 2 अप्रैल, 2025

भाजपा सरकार में निवेश को नई दिशा, कांग्रेस सरकार के मुकाबले रिकॉर्ड गति

इन्वेस्टर्स समिट पर नेता प्रतिपक्ष जूली के बयान पर भाजपा नेताओं का पलटवार

कंट्री विज़न/ जयपुर

राइजिंग राजस्थान इन्वेस्टमेंट समिट को लेकर नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली के बयान पर भाजपा नेताओं ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। भाजपा के वरिष्ठ नेता राजेंद्र राठौड़, मंत्री सुमित गोदारा, कैबिनेट मंत्री सुरेश सिंह रावत, भाजपा महामंत्री जितेंद्र गोठवाल और विधायक सुभाष मील ने जूली के बयान को निंदनीय और भ्रामक करार दिया। कांग्रेस सरकार के 5 साल बनाम भाजपा सरकार के 3 महीने भाजपा के वरिष्ठ नेता राजेंद्र राठौड़ ने कहा कि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार ने 12.5 लाख करोड़ रुपये के एमओयू किए, लेकिन उनमें से मात्र 2न्न ही धरातल पर उतर सके। इसके विपरीत, भजनलाल शर्मा सरकार ने पहले ही वर्ष में 35 लाख करोड़ रुपये के एमओयू किए, जिनमें से मात्र 3

माह में 10न्न निवेश धरातल पर उतर चुका है। उन्होंने कहा कि सरकार एमओयू की निगरानी के लिए विशेष अधिकारियों की नियुक्ति कर चुकी है और मुख्यमंत्री स्वयं इसकी समीक्षा कर रहे हैं। कैबिनेट मंत्री सुरेश सिंह रावत ने कहा कि कांग्रेस को राजस्थान का विकास सहन नहीं हो रहा है। मात्र तीन महीने में भाजपा सरकार ने 3 लाख करोड़ रुपये के एमओयू को धरातल पर उतार दिया। सरकार राज्य में बड़े पैमाने पर निवेश और रोजगार सृजन के लिए प्रतिबद्ध है।

भजनलाल शर्मा ने खोले विकास के नए द्वार - जितेंद्र गोठवाल

भाजपा महामंत्री जितेंद्र गोठवाल ने कहा कि राइजिंग राजस्थान समिट से राज्य में औद्योगिक, पर्यटन, स्वास्थ्य और इंफ्रास्ट्रक्चर क्षेत्र में तेज़ी से विकास हो रहा है। इससे युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा हो रहे हैं। कांग्रेस सरकार ने अपने अंतिम वर्ष में सिर्फ दिखावे के लिए इन्वेस्ट समिट किया था, जबकि भाजपा सरकार ने पहले ही वर्ष में निवेश को साकार करने पर जोर दिया। कांग्रेस की आदत बन गई है भाजपा के कामों पर कीचड़ उछालने की विधायक सुभाष मील ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस और टीकाराम जूली के पास राज्य के विकास को लेकर कोई ठोस एजेंडा नहीं है। कांग्रेस सिर्फ भाजपा सरकार की आलोचना करने में व्यस्त है। लेकिन सच यह है कि कांग्रेस जितना कीचड़ उछालेगी, भाजपा का कमल उतना ही खिलेगा। सरकार 2030 तक राजस्थान को 350 बिलियन की अर्थव्यवस्था बनाने के संकल्प पर तेजी से काम कर रही है। कांग्रेस सिर्फ दिखावा करती है, भाजपा धरातल पर काम करती है कैबिनेट मंत्री सुमित गोदारा ने कहा कि, भजनलाल शर्मा सरकार ने मात्र 3 माह में ?3 लाख करोड़ के एमओयू लागू किए, जो कांग्रेस सरकार के 5 साल के प्रदर्शन से कहीं अधिक है। कांग्रेस की सरकार केवल घोषणाएं करती थी, लेकिन भाजपा सरकार उन्हें पूरा करती है।

दैनिक भोर

भारत निर्वाचन आयोग का राजनीतिक दलों के साथ सबसे बड़ा संपर्क अभियान

-मुख्य निर्वाचन अधिकारियों, जिला निर्वाचन अधिकारियों और निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों के स्तर पर 4,719 बैठकें आयोजित

-देश भर में 28,000 से अधिक पार्टी प्रतिनिधियों ने भागीदारी की

नई दिल्ली, 1 अप्रैल। भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने देश भर में निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (ईआरओ), जिला निर्वाचन अधिकारी (डीईओ) और मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) के स्तर पर राजनीतिक दलों के साथ व्यापक एवं योजनाबद्ध तरीके से संपर्क स्थापित किया है। बीते 25 दिनों की अवधि में 31 मार्च तक विभिन्न स्तर पर राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ कुल 4,719 बैठकें आयोजित की गई हैं। इनमें मुख्य निर्वाचन अधिकारियों द्वारा 40 बैठकें, जिला निर्वाचन अधिकारियों द्वारा 800 बैठकें और निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों द्वारा 3,879 बैठकें शामिल हैं, जिनमें देश भर में राजनीतिक दलों के 28,000 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया। मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) श्री ज्ञानेश कुमार, निर्वाचन आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी द्वारा 4-5 मार्च को नई दिल्ली में आयोजित मुख्य निर्वाचन अधिकारियों के सम्मेलन के दौरान जारी किए गए निर्देशों के अनुसार ये बैठकें आयोजित की गईं। आयोग की ओर से इस विशेष संपर्क अभियान का उद्देश्य संबंधित सक्षम प्राधिकारी, यानी निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, जिला निर्वाचन अधिकारी या मुख्य निर्वाचन अधिकारी द्वारा चुनावी प्रक्रिया से जु? किसी लंबित मुद्दे को जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 और 1951, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण नियम, 1960, चुनाव संचालन नियम, 1961 और समय-समय पर भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी मैनुअल, दिशानिर्देशों और निर्देशों के अनुरूप मौजूदा कानूनी ढांचे के भीतर हल करना है। इस क्रम में अग्रिम आकलन के लिए सभी राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों से कार्रवाई रिपोर्ट मांगी गई है। यदि मौजूदा कानूनी ढांचे के भीतर कोई मुद्दा अनसुलझा रहता है, तो आयोग के स्तर पर उसका निस्तारण किया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि विभिन्न राजनीतिक दलों से भी इस सम्पर्क अभियान को भरपूर सराहना मिली है। इस दौरान विधानसभा क्षेत्रों, जिलों और राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में राजनीतिक प्रतिनिधियों की सक्रिय और उत्साही भागीदारी रही है। देश भर में हुई बैठकों की तस्वीरें भारत निर्वाचन आयोग के आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल पर देखी जा सकती हैं।

भव्य चैत्र नवरात्रा महोत्सव का आयोजन

सूरतगढ़ 1 अप्रैल (अशोक वर्मा)। सूरतगढ़ के वार्ड नंबर 6 में श्री बालाजी श्री किशन पितर जी मंदिर धाम में भक्त शिरोमणि प्रेमा बाई के पावन सानिध्य में अप्रैल गुरुवार को दिन में भव्य चैत्र नवरात्रा महोत्सव का आयोजन होगा। मंदिर प्रभारी भक्त लेखराम सैन ने बताया मंदिर में सुबह से लेकर शाम तक विशाल भजन संकीर्तन व भव्य चैत्र नवरात्रा महोत्सव बड़ी धूमधाम से हर्षोल्लास के साथ मनाया जायेगा, नामी भजन गायकों*द्वारा बाबे का यश गान किया जायेगा मंदिर प्रवक्ता आशीष स्वामी ने बताया भव्य कार्यक्रम में नवदुर्गा स्वरूप की संजीव झांकियों के दर्शन सभी भक्तों को करने का शुभ अवसर प्राप्त होगा, भव्य कार्यक्रम में भारत के कोने कोने से जातरू आते है समिति के वरिष्ठ डॉ. विशाल छाबड़ा ने बताया भव्य कार्यक्रम में सभी भक्तों के सहयोग से सभी श्रद्धालुओं के लिए अटूट लंगर बरताई जायेगी । प्रबंधक ममता चौहान ने बताया सभी श्रद्धालुओं के सुख समृद्धि के लिए भक्त शिरोमणि प्रेमा बाई द्वारा आलौकिक दिव्य ज्योत प्रज्वलित कर आशीर्वाद दिया जाएगा । भव्य चैत्र नवरात्रा महोत्सव में बीकानेर से ओमप्रकाश राठी, शिव ओझा सालासर धाम वाले पुजारी देवकीनंदन जी आदि भजनों की प्रस्तुति देंगे व स्थानीय कलाकार भी बाबे का गुणगान करेंगे प्रबंधक ममता चौहान महिलाओं को सुचारू रूप से यथा स्थान उपलब्ध कराने की व्यवस्थाओ में सहयोग करेगी मंदिर के सेवादार,प्रताप सिंह महला, आशीष स्वामी ,सुरेंद्र कुमार, मोहनलाल सुथार, ,हरीश जगवानी ,कुलवंत उपाध्याय ,विजय कुमार ,नरपत सिंह ,प्रकाश तावणिया, परतु राम वर्मा, हरिशंकर सुथार,श्रवण स्वामी, ,महेंद्र स्वामी